Ghee PRODUCTION

456. **Dr. Ram Subhag Singh:**
Shri Bishwa Nath Roy:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the quantity of *ghee* produced in the country during 1952-53, 1953-54 and 1954-55;

(b) whether Government give any marketing facility to the producers of *ghee;* and

(c) whether Government propose to launch any campaign to increase the production of *ghee* in the country?

The Minister of Agriculture (Dr. P. S. Deshmukh): (a) The estimated production of *Ghee* in India based on the livestock census, 1951, was 104·48 lakh maunds. Year-wise figures are not available.

(b) This commodity is agmarked under the Agricultural Produce Grading and Marking Act. The standard prescribed for purity and quality helps in the marketing of ghee.

(c) No! Various schemes for the improvement and development of the livestock undertaken in the country are likely to increase the milk production and thereby result in the increased production of ghee in the country.

DESTRUCTION OF CROPS BY ELEPHANTS

457. **Shri Dasaratha Deb:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether extensive damage to crops of peasants of Jarni-Vochai (Tripura) by the elephants of Maharani, has been reported to the District Magistrate this year;

(b) whether compensation for the crop has been demanded by the peasants; and

(c) if so, the steps taken in the matter?

The Minister of Agriculture (Dr. P. S. Deshmukh): (a) to (c). The information is being collected and will be placed on the Table of the Sabha.

रेलवे कर्मचारी

४५८. श्री एम० एन० सिंह : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे बोर्ड में तीसरी श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति के लिये प्रतियोगिता परीक्षा में १९४८ से १९५४ तक कितनी बार अन्य मंत्रालयों के कर्मचारी भाग लेने के लिये आमंत्रित किये गये थे और उन्होंने कितनी बार वास्तव में भाग लिया ,

(ख) उक्त प्रतियोगिता परीक्षा में ऐसे कितने व्यक्तियों ने भाग लिया और कितने सफल हुए ; और

(ग) क्या अन्य मंत्रालयों की प्रतियोगिता परीक्षाओं में भाग लेने के लिये रेलवे बोर्ड के कर्मचारियों को भी आमंत्रित किया जाता है ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन): (क) तथा (ख). रेलवे बोर्ड में तीसरे दर्जे के कर्मचारियों को तरक्की देने के लिये कोई परीक्षा नहीं ली गई । लेकिन क्लर्क से असिस्टेण्ट बनाने के लिये क्लार्कों की योग्यता आंकने के विचार से दिसम्बर, १९५३ और सितम्बर, १९५४ में दो बार टेस्ट लिये गए । पहले टेस्ट में उत्तर रेलवे के एक कर्मचारी को बैठने की आज्ञा दी गई थी वह डाइरेक्टर जनरल, सिविल एविएशन के दफ्तर में डेपुटेशन पर काम कर रहा है, दूसरे टेस्ट में उसी रेलवे के एक दूसरे कर्मचारी को बैठने की अनुमति दी गई थी वह पुनर्वास मंत्रीलय में डेपुटेशन पर काम कर रहा है ।

(ग) ऐसा कभी नहीं हुआ है ।

CATERING ON RAILWAYS

459. **Shri B. N. Kureel:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state whether Government have

decided to extend the *Annapoorna* catering service to all the main Railway Stations and in dining cars?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): No, Sir.

TELEPHONE CONNECTION FOR INDO-NORWEGIAN FOUNDATION

460. Shri N. Sreekantan Nair: Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indo-Norwegian Foundation Headquarters at Neendakara, Travancore Cochin State applied for telephone connections; and

(b) whether any special conditions were imposed for granting phone connections to them?

The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur): (a) Yes. They applied for a private branch exchange with six external, two internal extensions and two junction lines to the main Exchange at Quilon.

(b) No. The Department has, on the other hand, relaxed the manner of operation of the rent and guarantee and made it applicable on the same basis as for Government Departments.

Short Notice Question and Answer

उत्तर प्रदेश में फसलों को हानि

अ० सू० प्र० संख्या ५. **श्री अलगू राय शास्त्री :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के कुल जिलों में मार्च, १९५५ के प्रथम सप्ताह में ओले पड़े थे ;

(ख) क्या यह सच है कि बहुत से जिलों में रबी की फसल को गहरी क्षति पहुंची थी ;

(ग) किन किन जिलों में इसका अत्यधिक प्रभाव पड़ा ;

(घ) कुल कितनी क्षति हुई ;

(ङ) क्या क्षति-ग्रस्त व्यक्तियों को कोई सहायता दी गई ;

(च) यदि हां, तो किस प्रकार की सहायता दी गई ?

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख) : (क) से (च). सभा-पटल पर एक विवरण रखा जाता है [देखिये परिशिष्ट ७, अनुबन्ध संख्या ८३].